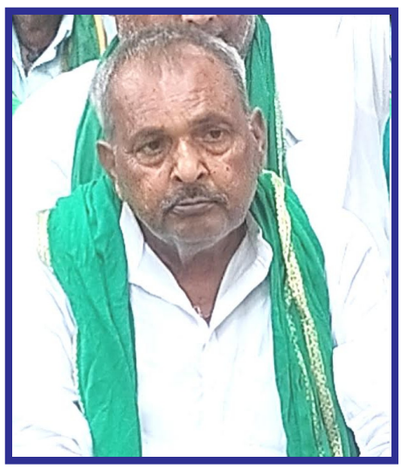

हिन्दी दैनिक

संदेश घोष

R.N.I. No-UPHIN/2016/69088

वर्ष : 09 अंक : 23 | फतेहपुर, शुक्रवार, 26 जुलाई 2024 | पृष्ठ 4 | मूल्य 2.00 रूपया

कर्नाटक सरकार ने नीट और वन नेशन, वन इलेक्शन के खिलाफ किया प्रस्ताव पारित

(एजेंसी)

बेंगलुरु कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने गुरुवार को भाजपा और जद (एस) विधायकों के कड़े विरोध के बीच राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और श्वन नेशन, वन इलेक्शनश के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर दिया। विधि मंत्री एच.के. पाटिल ने सदन में प्रस्ताव पेश किया, जिसके बाद स्पीकर यू.टी. खादर ने शोरगुल के बीच सदन में ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित करदिया। स्पीकर खादर ने बाद में घोषणा करते हुए कहा कि प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गए हैं। वन नेशन, वन इलेक्शन के खिलाफ प्रस्ताव पेश करते हुए पाटिल ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और केंद्र द्वारा इस संबंध में प्रस्ताव संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है। विधि मंत्री ने कहा कि पारदर्शी और विवेकपूर्ण चुनाव कराना लोकतंत्र की आत्मा है। पाटिल ने कहा, वन नेशन, वन इलेक्शन का प्रस्ताव संघीय व्यवस्था के लिए खतरनाक है। राज्य विधानसभा के संबंध में विभिन्न राज्यों की अपनी–अपनी रूपरेखा है। पूरे देश केलिए एक चुनाव का प्रस्ताव राष्ट्रीय स्तर पर अधिक और राज्यों पर कम केंद्रित होगा।" उन्होंने कहा कि इसलिए हम आग्रह करते हैं कि केंद्र सरकार श्वन नेशन, वन इलेक्शनश प्रस्ताव पर आगे न बढ़े। इस मामले को चुनाव आयोग के संज्ञान में भी लाया जाएगा। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा था कि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने से धन की बर्बादी रोकी जा सकती है और चुनाव कराने की वर्तमान पद्धति से राष्ट्र का विकास बाधित होता है। अशोक ने कहा कि कांग्रेस सरकार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में अनियमितताओं के संबंध में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए और सदन में इस पर बहस की अनुमति देकर लोकतंत्र को बचाना चाहिए।

भाजपा विधायकों ने शोरगुल के बीच प्रस्ताव पारित किए जाने के दौरान नारेबाजी की। विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के प्रस्ताव का विरोध करने वाला एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने नीट के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि हमने प्रस्ताव पारित किया है और सर्वसम्मति से भारत सरकार से आग्रह किया है कि वह नीट परीक्षा को वापस ले और राज्य सरकारों को अपनी प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दे। पाटिल ने कहा, हम जो कर रहे हैं वह भविष्य के लिए है और इसका चालू वर्ष में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। संसद का एक अधिनियम है और नीट परीक्षा सुप्रीम कोर्ट के फैसले द्वारा समर्थित है। इसलिए अगर इसमें बदलाव की जरूरत है, तो अधिनियम में संशोधन करना होगा। भारत सरकार ईमानदारी से प्रवेश परीक्षा आयोजित करने में विफल रही है। उन्होंने कई परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। देश का यह भरोसा खत्म हो गया है कि भारत सरकार व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने में सक्षम है। पाटिल ने कहा, इसलिए हमने राज्य सरकारों द्वारा प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की मांग की है।

रेटिंग एजेंसी ने बजट को सराहा, बताया-राजकोषीय समेकन से क्रेडिट प्रोफाइल पर होगा सकारात्मक असर

(एजेंसी)

नयी दिल्ली । ग्लोबल क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने आम बजट 2024–25 को सराहा है और सरकार की राजकोषीय समेकन के लिए प्रतिबद्धता की तारीफ की है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बजट को क्रेडिट पॉजिटिव बताया है। अपने बयान में मूडीज ने कहा कि बजट में सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए कुल खर्च में से करीब 23 प्रतिशत राशि आवंटित की है, जो कि नीतियों में निरंतरता दर्शाता है। वहीं, ब्याज भुगतान कुल खर्च का 24 प्रतिशत से कम है। इस हिसाब से पूरा बजट क्रेडिट पॉजिटिव है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.9 प्रतिशत रखा है, जो कि अंतरिम बजट में निर्धारित किए गए 5.1 प्रतिशत से कम है। इस गति से वित्त वर्ष 2025–26 तक राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.5 प्रतिशत करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकती है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि बजट में सरकार की राजकोषीय समेकन जारी रखने की प्रतिबद्धता दिखी। वहीं, इन्फ्रास्ट्रक्चर में पूंजीगत निवेश के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो दिखाता है कि सरकार का फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने पर है, जिससे देश के विकास की गति को तेज रखा जा सके। रेटिंग एजेंसी ने आगे कहा कि विदेशी कंपनियों पर टैक्स कम करने से भारत में रोजगार सृजन करने और निवेश में मदद मिलेगी। फिच रेटिंग ने अपने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024–25 का बजट सरकार द्वारा राजकोषीय घाटा कम करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके साथ ही पूंजीगत निवेश का भी पूरा ध्यान रखा गया है।फिच ने आगे कहा कि राजकोषीय समेकन से भारत का डेट रेश्यो मध्यम अवधि में नीचे जाएगा और यह भारत की क्रेडिट प्रोफाइल को मजबूत करेगा।

शिविर में लगे पंखे को अपनी तरफ घुमा रहे कांवड़िए की करंट लगने से मौत, हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहा था वापस

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में कावड़ यात्रा के दौरान हुए एक दर्दनाक हादसे में एक कांवड़िए की मौत हो गई। ये हादसा उसे वक्त हुआ जब हरिद्वार से गंगाजल लेकर वापस दिल्ली जा रहे कांवरिया सुबह कावड़ शिविर में आराम कर रहा था और उसका हाथ बल्ली पर लगे पंखे की ग्रिल को छू गया। तभी पंखे की ग्रिल में उतरे करंट ने कांवड़िए को चपेट में ले लिया। आनन–फानन में कांवड़िए को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दरअसल, दिल्ली के उत्तम नगर के रहने वाले प्रदीप हरिद्वार से गंगाजल लेकर वापस लौट रहे थे । थकान होने पर कंवरिया प्रदीप मेरठ के थाना पल्लवपुरम क्षेत्र के मोदीपुरम फेस वन एम 7 में मार्केट के सामने लगे हुए कावड़ शिविर में आराम करने के लिए रुक गया। आराम करने के बाद तड़के कांवरिया प्रदीप ने जैसे ही कावड़ शिविर में बल्ली पर लगे पंखे को अपनी तरफ घुमाने की कोशिश की तो उसमें उतरे करंट ने कांवड़िए को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे कांवड़िया प्रदीप बेसुध होकर गिर पड़ा। बताया जा रहा है कि इस घटना से कांवड़ शिविर में हड़कंप मच गया और आनन फानन में कांवरिया प्रदीप को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया और आनन फानन में प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए। वहीं मृत कांवरिया के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दिल्ली में छात्र की मौत घटना नहीं बल्कि हत्या, सरकार पर दर्ज हो केस : भाजपा

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। दिल्ली के पटेल नगर में यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्र की करंट लगने से दर्दनाक मौत के मामले पर अब जमकर सियासत हो रही है। भाजपा और आम आदमी पार्टी एक–दूसरे पर जमकर हमला कर रही है। भाजपा नेता हरीश खुराना ने कहा कि यह घटना नहीं बल्कि हत्या है। उन्होंने कहा कि यह एक दुखद घटना है, भाजपा मृतक के परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करती है। यह एक घटना नहीं, बल्कि हत्या है। लापरवाही के चलते दिल्ली की सरकार के ऊपर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। भाजपा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करती है। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त करना चाहिए। हरीश खुराना ने मृतक युवक के परिवार को मुआवजा देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि पैसे देकर किसी की जान वापस नहीं लाई जा सकती,

लेकिन मृतक के परिजन को मुआवजा मिलना चाहिए। मैं उप राज्यपाल से इस घटना का संज्ञान लेने का अनुरोध करूंगा। साथ ही जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी और बिजली विभाग की बैठक बुलाकर उन्हें सख्त निर्देश दिए जाएं ताकि भविष्य में इस प्रकार की कोई भी घटना नहीं हो, इसे सुनिश्चित करना चाहिए। इस दौरान भाजपा नेता ने मंत्री आतिशी के ऊपर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि आतिशी 48 घंटे के बाद जागती हैं। जब हम लोग किसी मुद्दे को लेकर शोर मचाते हैं तो वो प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आ जाती हैं। आतिशी बस खानापूर्ति करने के लिए एक चिट्ठी लिख देती हैं। वो अब तक मृतक के परिजन से मिलने उसके घर क्यों नहीं गई ? ये उनके विभाग की गलती है, जिसकी वजह से एक युवक की जान चली गई। बता दें कि यूपी के गाजीपुर का मूल निवासी नीलेश राय (26) दिल्ली में 3 साल से यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। वो पटेल नगर इलाके में एक पीजी में रह रहा था। बारिश की वजह से गली के बाहर जलभराव हो गया और गेट में करंट आ गया। नीलेश बीते सोमवार को चाय पीकर वापस अपने पीजी लौटा और करंट की चपेट में आ गया। स्थानीय लोगों ने उसकी चीख–पुकार सुनी और मदद के लिए भागे। पुलिस युवक को स्थानीय लोगों की मदद से आरएमएल अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

राष्ट्रपति भवन के 'दरबार हॉल' का नाम अब 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक हॉल' का नाम 'अशोक मंडप होगा

(एजेंसी)

नयी दिल्ली राष्ट्रपति भवन, भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास, राष्ट्र का प्रतीक है और लोगों की अमूल्य विरासत है। इसे लोगों के लिए और अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचारों को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉल–'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल का नाम बदलकर अब 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' कर दिया गया है। दरबार हॉल' में कई बड़े आयोजन होते रहे हैं। राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों का यह स्थान रहा है। 'दरबार' शब्द से भारतीय शासकों, राजा–महाराजाओं और अंग्रेजों के दरबार और सभाओं का आभास मिलता है। सरकार ने कहा, भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है। गणतंत्र की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से निहित है, इसलिए दरबार हॉल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप कर दिया गया है। बड़े आयोजन स्थल के लिए यह एक उपयुक्त नाम है। अशोक हॉल मूल रूप से एक बॉलरूम था। अशोक शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो ष्सभी दुखों से मुक्तष् या षकिसी भी दुख से रहितष् हो। साथ ही, अशोक सम्राट अशोक को संदर्भित करता है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व का प्रतीक है। भारतीय गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ में अशोक का शेर शीर्ष पर है। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है, जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ–साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप करने से भाषा में एकरूपता आती है और अशोक शब्द से जुड़े प्रमुख मूल्यों को बनाए रखते हुए अंग्रेजीकरण के निशान मिट जाते हैं।

घोर अंधेरा और तेज बहाव के बीच 40 मिनट के रेस्क्यू ऑपरेशन में चार की बची जान

(एजेंसी)

कुशीनगर । उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिला प्रशासन ने खड्डा तहसील की बड़ी गंडक नदी में अचानक बढ़े हुए जलप्रवाह के बीच फंसे चार लोगों का अदम्य साहस का परिचय देते हुए रेस्क्यू किया। टीम ने देर रात घोर अंधेरे और तेज बहाव के बीच महज कुछ मिनटों में रेस्क्यू ऑपेरशन को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए सभी को सुरक्षित बचा लिया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के रेस्क्यू ऑपरेशन की काफी तारीफ की। यहां वर्ष 2003 में तेज बहाव की वजह से 16 लोगों की जान चली गई थी। राहत आयुक्त जीएस नवीन के मुताबिक बुधवार रात 8 बजे कुशीनगर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि खड्डा तहसील के एसडीएम ऋषभ पुंडीर और एडीएम एफआर वैभव मिश्रा ने बड़ी गंडक नदी में अचानक तेज बहाव की वजह से एक नाव पलटने की सूचना दी। इस हादसे में चार लोग पुनियावन पुल के पास तेज बहाव के बीच फंसे थे। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने रात में रेस्क्यू ऑपरेशन की परमिशन मांगी। तत्काल परमिशन देते हुए एसडीआरएफ के कमांडेंट को रेस्क्यू का आदेश दिया गया। एडीएम एफआर वैभव मिश्रा ने बताया कि ऑपरेशन की परमिशन मिलते ही एसडीआरएफ मौके पर पहुंची। घोर अंधेरा होने की वजह से एसडीआरएफ ने ऑपरेशन चलाने में असमर्थता जताई। इस पर तत्काल प्रकाश की व्यवस्था कराई गई। इसके बाद रेस्क्यू शुरू किया गया। एडीएम एफआर वैभव मिश्रा, एसडीएम खड्डा ऋषभ पुंडीर और एसडीआरएफ की टीम ने अदम्य साहस का परिचय देते में हुए कड़ी मशक्कत के बाद महज 40 मिनट में पानी की तेज बहाव में फंसे चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद सभी का मेडिकल चेकअप कराया गया। वहीं, डॉक्टर्स के क्लीयरेंस के बाद सभी को गाड़ी से उनके घर पहुंचाया गया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि बड़ी गंडक नदी की तेज बहाव में फंसे चारों लोग बिहार के रहने वाले थे। चारों लोग देर रात नदी में मछली पकड़ने गए थे। इस दौरान नदी का बहाव अचानक तेज हो गया और नाव पलट गई। तेज बहाव होने की वजह से चारों लोग बहते हुए पुनियाहवा पुल के पास फंस गए। ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया। इसके बाद ऑपरेशन शुरू किया गया और 40 मिनट में सफलतापूर्वक सभी को बचा लिया गया। नदी की तेज बहाव में राजकुमार साहनी, भुवाली साहनी, सुभाष साहनी और शैलेश कुमार फंस गए थे। चारों बिहार के बगाह नारायणपुर घाट के रहने वाले हैं। ऑपरेशन के बाद सभी का मेडिकल चेकअप कराया गया। इसके बाद गाड़ी से सभी को उनके घर पहुंचाया गया।

झारखंडः विधानसभा सत्र में भ्रष्टाचार, विकास के मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

रांची (एजेंसी) झारखंड में चुनाव से पहले विधानसभा का आखिरी सत्र शुक्रवार से शुरू हो रहा है। इस साल लोकसभा चुनाव में मिली जबरदस्त सफलता के बाद मानसून सत्र में सरकार को घेरने के लिए मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने पूरी तैयारी कर ली है। वह भ्रष्टाचार के अलावा विकास कार्यों को भी मुद्दा बनाएगी। सत्र शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा, ष्इस सत्र में हम सरकार के तमाम भूले वादों को याद करायेंगे।

चन्नी ने केंद्र सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की, सरकारी संपत्तियों को बेचने का आरोप लगाया

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करते हुए आरोप लगाया कि यह पहले सत्ता में आई और उसके बाद सत्ता के माध्यम से अपने करीबी उद्योगपतियों का कब्जा सरकारी संपत्तियों पर करा रही है। लोकसभा में वित्त वर्ष 2024–25 के केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए जालंधर से सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी ने यह आरोप भी लगाया कि इस बजट में सरकार बचाने की फिक्र दिखाई देती है और यह देश बचाने वाला नहीं, बल्कि सरकार बचाने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि बजट से साबित हो गया कि यह सरकार देश के सभी नागरिकों को समान नजर से नहीं देखती, बल्कि राजनीतिक चश्मे से देखती है। चन्नी ने बजट में पंजाब और अपने संसदीय क्षेत्र जालंधर के उद्योगों को भी निराश करने का आरोप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर लगाया। उन्होंने कहा कि बजट में 14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज इस साल लेने की बात कही गई और यदि हर साल सरकार ऐसे ही कर्ज लेती रही तो "देश कहां जाएगा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भाजपा के लोग कांग्रेस पर आपातकाल का आरोप लगाते हैं लेकिन आज देश में "वित्तीय आपातकाल और "अघोषित आपातकाल है। उन्होंने दावा कि पिछले दस साल में डॉलर की कीमत 25 रुपये, पेट्रोल की कीमत 23 रुपये और डीजल की कीमत 35 रुपये बढ़ गई है। चन्नी ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस नीत संप्रग सरकार में डॉलर का मूल्य केवल 13 रुपये बढ़ा था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 में सरकार में आने से पहले मोदी रुपये की कीमत गिरने पर सरकार कमजोर होने, प्रधानमंत्री कमजोर होने की बात करते थे। चन्नी ने कहा, "आज बताएं कि रुपये की कीमत गिर रही है तो क्या सरकार कमजोर नहीं हो रही, प्रधानमंत्री कमजोर नहीं हो रहे। उन्होंने देश में निजीकरण का मुद्दा उठाते हुए कहा, "आप (सरकार) देश की संपत्ति के संरक्षक हैं, मालिक नहीं। इसे बेचने की और देश को बर्बाद करने की गलती मत करो। चन्नी ने कहा कि देश के कई हवाई अड्डों को निजी कंपनियों के हवाले कर दिया गया है ।

बिहार में जमशेदपुर के कांवड़िये की मौत, स्टैंड फैन की तार के चपेट में आने से गई जान

रांची । 22 जुलाई को सावन का पावन महीना शुरू हो चुका है। सावन माह की शुरुआत होते ही कई शिव भक्त कांवड़ में गंगाजल भरकर भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए पैदल ही निकल पड़ते हैं। वहीं, बिहार के कटोरिया थाना अंतर्गत कटोरिया–देवघर कांवरिया पथ पर कांवड़िए की करंट लगने से मौत हो गई।55 वर्षीय मृतक रमेश कुमार आजीवाल जमशेदपुर के आदित्यपुर का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि मृतक रमेश कुमार आजीवाल कांवड़िया कोल्हुआ गांव स्थित एक चाय नाश्ता की दुकान पर ठहरा था। इस दौरान रमेश कुमार आजीवाल बाथरूम जाने के लिए निकला। उसी वक्त वह वहां पर लगे स्टैंड फैन के तार की चपेट आ गया जिससे वह नीचे गिर पड़ा।

जमुई में एक ही परिवार के 2 बच्चों की सांप के काटने से मौत, नानी के घर पर आए हुए थे बच्चे

जमुई । बिहार के जमुई जिले से एक दिल–दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पर एक ही परिवार के दो बच्चों की सांप के काटने से मौत हो गई है। वहीं, मासूमों की मौत के बाद स्वजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम छाया हुआ है। जानकारी के मुताबिक, जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मड़ैया पंचायत के पतलघटा गांव की है। मृतक बच्चों की पहचान पतलघट्टा निवासी मनोज दास की 12 वर्षीय पुत्री रानी कुमारी और सात वर्षीय नाती अनीश कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बरहट प्रखंड के लखय गांव निवासी अजय दास का पुत्र अनीश अपनी नानी के घर आया हुआ था।

सम्पादकीय

Donald के समाने Democrat का ट्रंप कार्ड कितना कारगर, कमला के कमाल से बदल जाएगा अमेरिकी चुनाव के हवा का रुख

21 जुलाई को जो बाइडेन ने राष्ट्रपति चुनाव से हटने का ऐलान कर दिया। वो डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से दावेदारी पेश कर रहे थे। नाम वापस लेने के बाद उन्होंने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को समर्थन दिया। इस फैसले की जनाकारी उनके करीबी लोगों और स्टॉफ तक को नहीं था। और तो और कुछ घंटे पहले तक बाइडेन की टीम ये दावा कर रही थी कि वो रेस में बने हुए हैं और उनके पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। ऐसे में आज आपको बताएंगे कि जो बाइडेन ने अचानक अपनी दावेदारी वापस क्यों ली, कमला हैरिस क्या ट्रंप को हरा सकती हैं और सबसे अहम इन सब का अमेरिका के चुनाव पर क्या असर पड़ेगा?

जनवरी 2021 में जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। 78 साल की उम्र में इस शपथ के साथ ही वो अमेरिकी इतिहास में सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति में अपना नाम दर्ज करवा लिया। उनके कार्यकाल के आखिरी

बरस में उनकी उम्र का असर दिखने लगा। जुबान लड़खड़ाने लगे और वो चीजों को भूलने लगे। फिर ये चर्चा तेज हो चली कि राष्ट्रपति पद के लिए अधिकतम उम्र की सीमा तय होनी चाहिए। लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब कम उम्र होने की वजह से उन्हें अमेरिकी संसद पहुंचने में देरी हुई थी। दरअसल, साल 1972 में बाइडेन ने पहली बार सीनेट का चुनाव जीता। जीतने के दो हफ्ते बाद वो तीस के हुए थे। सीनेटर बनने के लिए कम से कम उम्र 30 साल होनी चाहिए। जब तक बाइडेन शपथ लेते तभी सड़क हादसे में उनकी बेटी और पत्नी की मौत हो गई। तब बाइडेन ने राजनीति छोड़ने का मन बना लिया था। लेकिन उनके दोस्तों ने उन्हें मनाया। फिर 36 सालों तक सीनेट में रहे। दो बार राष्ट्रपति चुनाव में हाथ आजमाने की कोशिश सफल नहीं हो सकी। साल 2020 में नॉमिनेशन फाइल किया और फिर ट्रंप को हराकर राष्ट्रपति बने। इधर ट्रंप लगातार किसी न किसी वजह से खबरों में बने रहे। डेमोक्रेटिक पार्टी को प्राइमरी इलेक्शन में कोई बड़ी चुनौती नहीं मिली। अगस्त के महीने में नेशनल कॉन्वेंशन होने वाला था जिसमें बाइडेन की उम्मीदवारी पर मुहर लगने वाली थी। लेकिन इससे पहले ही वो पीछे हट गए। नेशनल कन्वेंशन पर निगाहेंपार्टी का नेशनल कन्वेंशन 19 अगस्त को है। इसके लिए सारी व्यवस्था हो चुकी है। चुनाव में अब 105 दिन ही बचे हैं। इसलिए कमला हैरिस ने देशवासियों, खासकर डेमोक्रेट सदस्यों से दो–टूक अपील की, श्आइए, हम सभी एकजुट होकर लड़ें, मिलजुल मिलजुल कर चुनाव जीतें।श इस अपील का असर भी हुआ। डेमोक्रेट बहुल कैलिफोर्निया के गवर्नर गेवन न्यूसम ने उनके समर्थन की घोषणा कर दी। देखते ही देखते कमला हैरिस के समर्थन में एक दर्जन डेमोक्रेट बहुल राज्य और आ गए।

ओबामा का समर्थन नहींकैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल रह चुकी हैं। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए इमिग्रेशन और गर्भपात जैसे बड़े मुद्दों पर बड़ी सुर्खियां बटोरी हैं। इसके विपरीत डॉनल्ड ट्रंप चार आपराधिक मामलों में कसूरवार और 91 अदालती मामलों अभियुक्त रह चुके हैं। हालांकि ट्रंप को सभी मामलों में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल चुकी है, लेकिन एक बड़ा वर्ग आज भी उनके वैयक्तिक चाल–चलन से नाखुश है। जिन चार राज्यों के गवर्नर चुनावी राजनीति में आगे आना चाहते हैं, वे सभी लोकप्रियता में कमला हैरिस से बहुत पीछे है। इसके बावजूद शीर्षस्थ डेमोक्रेट बराक ओबामा सहित सीनेट और प्रतिनिधि सभा के नेता कमला का समर्थन नहीं कर पाए। क्या हैरिस ट्रंप को हरा सकती हैं?बाइडेन द्वारा हैरिस के समर्थन ने डेमोक्रेट्स को उत्साह से भर दिया है। पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी सहित वरिष्ठ हस्तियों द्वारा उनके लिए समर्थन बढ़ाना इस बात का संकेत है कि पार्टी ने ट्रम्प के खिलाफ जाने के लिए उन पर भरोसा किया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के अग्रणी उम्मीदवार ने बाइडेन के पीछे हटने के बाद 36 घंटों में दान में 100 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए हैं। हैरिस इस दौड़ में सबसे युवा उम्मीदवार हैं क्योंकि बाइडेन की उम्र जैसी चिंता उन पर लागू नहीं होती है। इसके उलट, 78 साल के ट्रंप ही उनसे उम्र में ज्यादा हैं। रिपब्लिकन के खिलाफ वाले लोगों से हैरिस के अभियान को फायदा हो सकता है। द हिल एंड डिसीजन डेस्क मुख्यालय (डीडीएचक्यू) द्वारा बनाए गए वोटिंग पर्सेंट के अनुसार, 53 प्रतिशत अमेरिकी ट्रम्प को अनुकूल रूप से नहीं देखते हैं। फाइव थर्टीआठ मतदान के अनुसार, जो बाइडेन के बाहर होने से पहले आयोजित किया गया था, लगभग 51 प्रतिशत अमेरिकियों ने हैरिस को अस्वीकार कर दिया, जबकि 38 प्रतिशत ने अनुमोदन किया। यह नापसंदगी ट्रंप के लिए अधिक थी, जिन्हें 53 प्रतिशत अमेरिकियों ने पसंद नहीं किया, जबकि 39 प्रतिशत ने उनका समर्थन किया। गर्भपात का मुद्दा भी हैरिस को ट्रम्प पर बढ़त देता है, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा रो वी वेड को पलटने का एकमात्र श्रेय लिया था। जहां भी गर्भपात के अधिकार मतपत्र पर थे, डेमोक्रेट्स ने राज्य चुनाव जीते हैं, यहां तक घ्कि कंसास और केंटकी जैसे रूढ़िवादी राज्यों में भी। ट्रम्प को इसका एहसास हो गया है और उन्होंने गर्भपात के खिलाफ अपनी बयानबाजी कम कर दी है। अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति हो सकती हैं। उम्मीद की जाती है कि वह प्रजनन अधिकारों को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक बनाएंगी और इस मुद्दे पर ट्रम्प को आड़े हाथों लेंगी। उनका संभावित डेमोक्रेटिक नामांकन भी ऐतिहासिक है क्योंकि वह अमेरिका की पहली अश्वेत महिला राष्ट्रपति बन सकती हैं। यदि वह नवंबर की दौड़ जीत जाती हैं, तो वह एशियाई विरासत की पहली अमेरिकी राष्ट्रपति होंगी।एक दिन में ही जुटाए 100 मिलियन डॉलर का फंड

उपराष्ट्रपति को वह धनराशि भी विरासत में मिली है जो संभावित उम्मीदवार के रूप में पद छोड़ने से पहले जो बिडेन को दान की गई थी। पहली राष्ट्रपति बहस में जो बिडेन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, कई दानदाताओं ने उनके प्रतिस्थापन की मांग की थी और वित्तीय सहायता वापस लेने की धमकी दी थी। यही एक कारण है कि राष्ट्रपति ने अपना चुनाव अभियान ख़त्म करने का फ़ैसला किया था। पार्टी के कई समर्थकों और स्वयंसेवकों ने 81 मिलियन डॉलर का दान दिया, जिसे छोटे डॉलर का दान बताया जा रहा है। उनकी अभियान टीम को बड़े दानदाताओं से 150 मिलियन डॉलर का दान भी मिला। इसे अमेरिका के इतिहास में 24 घंटे के अंदर मिला अब तक का सबसे ज्यादा दान बताया जा रहा है। कुल 231 मिलियन डॉलर की यह राशि बिडेन द्वारा अपना चुनाव अभियान समाप्त करने के फैसले के 24 घंटे के भीतर प्राप्त हुई है।

हैरिस के लिए क्या गलत हो सकता है? यदि ट्रम्प अलोकप्रिय हैं, तो हैरिस भी अलोकप्रिय हैं। द हिल/डीडीएचक्यू मतदान औसत के अनुसार, हैरिस राष्ट्रीय स्तर पर ट्रम्प से लगभग 3 प्रतिशत अंक पीछे हैं। औसत से पता चलता है कि उनकी अस्वीकृति रेटिंग 56 प्रतिशत थी, जबकि केवल 38 प्रतिशत अमेरिकियों ने उन्हें अनुकूल रूप से देखा था। जैसा कि द हिल ने कहा, इसका मतलब यह है कि उनकी उम्मीदवारी के लिए डेमोक्रेटिक उत्साह ज़मीनी मतदाताओं के बीच दोहराया नहीं गया है।

सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देती हैं पाठ्य पुस्तकें

एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकें भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, ऐसे कई क्षेत्र हैं जहाँ वे छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, समकालीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करने और छात्रों के बीच अधिक समग्र समझ को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक सामग्री को लगातार संशोधित और अद्यतन करना महत्वपूर्ण है। मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम शिक्षा के लिए एक संतुलित, समग्र दृष्टिकोण है जो राष्ट्रीय और व्यक्तिगत विद्यालय-केंद्रित पाठ्यक्रम के इर्द-गिर्द घूमता है ताकि एक ऐसा वातावरण बनाया जा सके जो समाज-समर्थक और पर्यावरण-समर्थक मानवीय मूल्यों के स्पष्ट शिक्षण और मश्डलिंग द्वारा आकार दिया गया हो। छात्रों के लिए मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम की उपलब्धियों में आत्म-मूल्य की सकारात्मक भावना विकसित करना, नैतिक और संबंधपरक क्षमताओं में सुधार और प्राकृतिक दुनिया के साथ अधिक जुड़ाव शामिल है।

–प्रियंका सौरभ

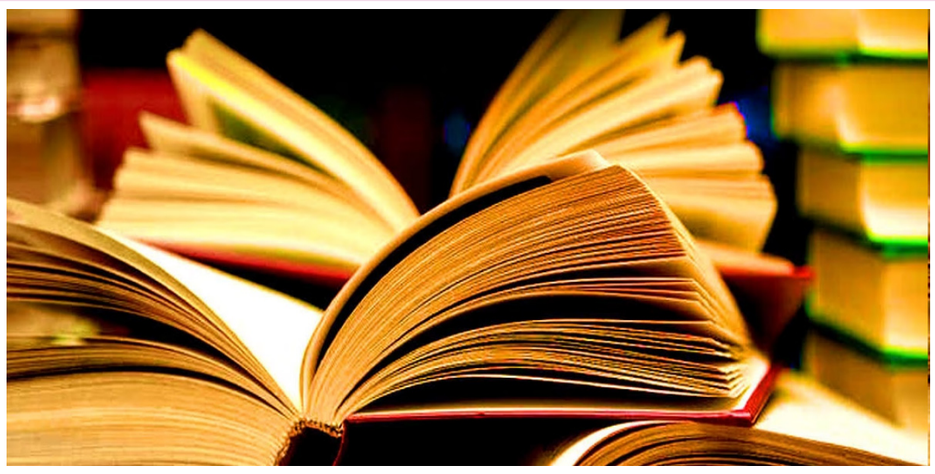

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) देश भर में शिक्षा को मानकीकृत करने वाली पाठ्यपुस्तकों को विकसित और वितरित करके भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है. एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है। कई विषयों में सामाजिक और सांस्कृतिक कारक शामिल होते हैं और एक वैध पाठ्यक्रम में उन्हें यथासंभव ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाता है (हालांकि ऐसे विषयों में पूर्वाग्रह को बाहर करना कठिन है)।

मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है। पूर्वाग्रह से बचने की कठिनाई भी उन विषयों में स्पष्ट है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें विविधता में एकता पर जोर देती हैं, छात्रों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं के बारे में ज्ञान प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों के त्योहारों पर पाठ्य–पुस्तकों के अध्याय सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं। पाठ्यपुस्तकों में ऐसी कहानियाँ और पाठ शामिल किए जाते हैं जो ईमानदारी, करुणा और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं । उदाहरण के लिए "ईमानदार लकड़हारा" जैसी कहानियाँ छात्रों को ईमानदारी और निष्ठा का महत्व सिखाती हैं।

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें पुरुषों और महिलाओं को विभिन्न भूमिकाओं में चित्रित करके और समान अवसरों के महत्व पर जोर देकर लैंगिक समानता को बढ़ावा देती हैं ।उदाहरण के लिए महिला स्वतंत्रता सेनानियों और वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डालने वाले अध्याय लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करते हैं। पर्यावरण शिक्षा को शामिल करने से छात्रों में प्रकृति और संधारणीयता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रदूषण के प्रभाव पर पाठ पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं।

पाठ्यपुस्तकें आलोचनात्मक सोच और वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे समस्या–समाधान के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए विज्ञान के अध्याय जिनमें प्रयोग और अवलोकन शामिल हैं, छात्रों को अपने आस–पास की दुनिया पर सवाल उठाने और उसका पता लगाने की शिक्षा देते हैं। मूल्य–आधारित पाठ्यक्रम शिक्षा के लिए एक संतुलित, समग्र दृष्टिकोण है जो राष्ट्रीय और व्यक्तिगत विद्यालय–केंद्रित पाठ्यक्रम के इर्द–गिर्द घूमता है ताकि एक ऐसा वातावरण बनाया जा सके जो समाज–समर्थक और पर्यावरण–समर्थक मानवीय मूल्यों के स्पष्ट शिक्षण और मॉडलिंग द्वारा आकार दिया गया हो। छात्रों के लिए मूल्य–आधारित पाठ्यक्रम की उपलब्धियों में आत्म–मूल्य की सकारात्मक भावना विकसित करना, नैतिक और संबंधपरक क्षमताओं में सुधार और प्राकृतिक दुनिया के साथ अधिक जुड़ाव शामिल है।

भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के योगदान के साथ–साथ कुछ विकृत्यं भी है, जिन पर ध्यान देना समय की जरूरत है. एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इतिहास का विकृत संस्करण प्रस्तुत करने के लिए की जाती रही है पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इस बात के लिए की गई है कि वे दलितों, आदिवासियों और महिलाओं जैसे हाशिए पर स्थित समुदायों के अनुभवों और योगदानों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। उदाहरण के लिए इन समुदायों के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्वों और उनके योगदानों को अक्सर कम दर्शाया जाता है, जिससे शिक्षा में समावेशिता की कमी होती है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पर लिंग, जाति और क्षेत्रीय रूढ़िवादिता को मजबूत करने का आरोप लगाया गया है, जो छात्रों के बीच पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के लिए महिलाओं को मुख्य रूप से घरेलू भूमिकाओं में दिखाना या कुछ क्षेत्रों को पिछड़ा दिखाना रूढ़िवादिता को मजबूत कर सकता है।पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पुरानी मानी जाती है और वर्तमान सामाजिक मूल्यों एवं चुनौतियों को प्रतिबिंबित नहीं करती है, जिससे यह आज के छात्रों के लिए कम प्रासंगिक हो जाती है। उदाहरण के लिए आधुनिक तकनीकी प्रगति, समकालीन सामाजिक मुद्दे और हाल की ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित विषय अक्सर गायब होते हैं या अपर्याप्त रूप से कवर किए जाते हैं। कुछ पाठ्यपुस्तकों द्वारा प्रचारित रटने की पद्धति आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को हतोत्साहित करती है, तथा समझने की तुलना में याद करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। उदाहरण के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की तुलना में तथ्यात्मक याद पर जोर देने वाले अध्याय विषयों की सतही समझ को जन्म दे सकते हैं और आलोचनात्मक सोच के विकास में बाधा डाल सकते हैं।ऐतिहासिक रूप से और कुछ मौजूदा परिवेशों में पाठ्यक्रम ऐसे व्यक्तियों द्वारा विकसित किया जाता है जो विशिष्ट सिद्धांतों, जैसे कि धर्म, से जुड़े होते हैं और वह पाठ्यक्रम अपने पाठ्यक्रम को मान्य करने के लिए संस्कृति और समाज की एक पक्षपाती अवधारणा का उपयोग करता है। यही मूल कारण है कि गैर–धार्मिक लोग धार्मिक स्कूलों के लिए सार्वजनिक समर्थन के खिलाफ लड़ते हैं। हालाँकि, शिक्षा में वर्तमान क्रांति अब जहाँ पक्षपाती सांस्कृतिक सिद्धांतों (सांस्कृतिक, ऐतिहासिक मुद्दों के दोनों पक्षों पर) को ष्सहीष पाठ्यक्रम के रूप में कानूनी रूप से लागू किया जा रहा है, युवा बच्चों की भविष्य की बौद्धिक क्षमताओं को समझना मुश्किल बना रहा है जो हमारी वयस्क आबादी बनेंगे।जबकि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, ऐसे कई क्षेत्र हैं जहाँ वे छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। जैसे–जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, समकालीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करने और छात्रों के बीच अधिक समग्र समझ को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक सामग्री को लगातार संशोधित और अद्यतन करना महत्वपूर्ण है।

विपक्ष की मुस्लिमों के प्रति अंधश्रद्धा से भाजपा बनी मजबूत

मुस्लिम वोटों के लिए विपक्षी नेता किसी भी हद तक जा सकते हैं। विपक्षी दलों को लगना चाहिए कि हितेषी बनने का दिखावा करने मात्र से मुस्लिम वोटों को बटोरा जा सकता है। इसके बाद इन दलों मे आपस में ही सच्चा हितेषी साबित करने की प्रतिस्पर्धा हो जाती है। वोटों की खातिर मुस्लिमों के प्रति इस अंधश्रद्धा का ही परिणाम है कि इसके प्रतिक्रियास्वरूप भाजपा ने न सिर्फ राष्ट्रीय पर संगठन की मजबूत पकड़ बना ली, बल्कि लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्ता में भी आ गई। हालांकि इसमें काफी हद तक केंद्र सरकार के विकास कार्य भी शामिल हैं। मुस्लिमों का हितेषी बनने का नया मामला बांग्लादेश का है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के संकटग्रस्त लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। आश्चर्य की बात यह है कि यह मुद्दा मुख्यमंत्री ममता के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यह विदेश मंत्रालय के अधीन आता है। विदेश मंत्रालय केंद्र सरकार के अधीन काम करता है। यह जानते हुए भी ममता ने मुस्लिम वोट बैंक पर पकड़ बनाए रखने के लिए ऐसा बयान दिया। इससे पहले भी ममता बनर्जी सरेआम मुस्लिमों का पक्ष लेती रही हैं। इसके लिए बेशक कानून की मंजूरी हो या नहीं। बर्मा के रोहिंग्या शरणार्थियों का मसला भी केंद्र सरकार के अधीन था। केंद्र सरकार ही तय कर सकती है कि भारत में किसे शरण देनी और किसे नहीं।

रोहिंग्या शरणार्थी संकट पर केंद्र के दृष्टिकोण का विरोध करते हुए ममता ने कहा था कि सभी आम लोग आतंकवादी नहीं हैं और उन्होंने समुदाय का समर्थन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार फिर केंद्र सरकार से जुड़ा हो, बहती गंगा में हाथ धोने से कोई पीछे नहीं रहना चाहता।

मुस्लिम वोट की खातिर ममता किसी भी हद से गुजरने को तैयार रहती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता कर दी। कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री ममता से सवाल पूछते हुए कहा कि ममता बनर्जी को श्वेत पत्र देकर बताना चाहिए कि वक्फ संपत्ति को बेचकर कितने प्रमोटर करोड़पति हो गए और इनमें से कितने आपकी कह रहा है मैं आरएसएस का व्यक्ति हूं, दूसरा भाजपा में शामिल हो गया. .. आप इस तरह से न्यायाधीश कैसे हो सकते हैं और अदालतों की अध्यक्षता कैसे कर सकते हैं? इतना ही नहीं ममता सरकार को संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और जमीन हथियाने व राशन घोटाले से जुड़े सभी मामलों में अभियुक्तों को बचाने के लिए पुरजोर पैरवी की।

सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सरकार किसी शख्स को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है। गौरतलब है कि ईडी अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख के यहां छापा मारने गए थे, जहां उन पर हमला किया गया था। ममता बनर्जी ही नहीं मुस्लिम वोट बैंक की खातिर अपराधी, आतंकी और देश विरोधी बयान देने वालों को गले लगाने के लिए राजनीतिक न सिर्फ आतुर रहते हैं बल्कि आपस में प्रतिस्पर्धा भी करते हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान मुस्लिम माफियाओं ओर अपराधियों को भरपूर संरक्षण दिया गया। माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की मौत पर सपा अध्यक्ष ने खूब घडियाली आसू बहाए थे। दरअसल भाजपा के बढ़ते प्रभाव के कारण क्षेत्रीय दलों के पास वोट बैंक बनाने के अवसर सीमित हो गए हैं। यही वजह है कि मुस्लिम वोट बैंक में ज्यादा हिस्सा बटोरने के लिए सही–गलत की विवेचना किए बगैर विपक्षी दल मुस्लिमों के समर्थन के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाने से बाज नहीं आते।

द्वारा 40,000 रोहिंग्या शरणार्थियों को निर्वासित करने की योजना बनाई थी। ममता बनर्जी की शह पाकर कई मुस्लिम संगठनों से जुड़े हजारों प्रदर्शनकारियों ने कोलकाता में रैली निकाली और प्रधानमंत्री मोदी की निर्वासन योजना का विरोध किया तथा रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए भारत में आश्रय की मांग की। यह मुद्दा मुस्लिमों के वोट बैंक से जुड़ा हुआ था। इसमें दूसरे विपक्षी दल भी कूद गए। मुस्लिमों के मामले में सभी विपक्षी दलों को लगता है कि कहीं दूसरा दल वोट बैंक का ज्यादा हिस्सा नहीं ले जाए, इसी वजह मुद्दा चाहे राज्यों का हो या बनर्जी के इमाम और मुआज्जिम को लेकर बुलाई कॉन्फ्रेंस पर भी राजनीतिक घमासान छिड़ गया था। विरोधी पार्टियों ने इस कॉन्फ्रेंस के मद्देनजर ममता पर खुलकर तुष्टिकरण और वोट की राजनीति का आरोप लगा दिए। समूचे बंगाल के इमाम और मुआज्जिम इसमें शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में कोलकाता पहुंचे थे। गठबंधन की सहभागी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोलते हुए ममता से मुसलमानों के समग्र विकास के लिए श्वेतपत्र जारी करने की मांग पार्टी के हैं। मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति में ममता बनर्जी कानून को भी ठेंगा दिखाने में पीछे नहीं रही। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस शासन के तहत 2011 से बंगाल में जारी किए गए अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाण–पत्रों को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। इसमें 80 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम समुदाय को इस आरक्षण का फायदा मिल रहा था। न्यायालय के इस निर्णय पर ममता बुरी तरह भड़क गई। उच्च न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीशों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने यहां तक कह डाला था कि एक न्यायाधीश

राजनैतिक हथियार बनता केन्द्रीय बजट

केजरीवाल के खिलाफ मुकदमों के नतीजे पर टिका आप का राजनीतिक भविष्य2024 के लोकसभा चुनाव में महिला मतदाता निभायेंगी अहम भूमिका

बुधवार को लोकसभा में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024–25 का बजट जहां एक ओर देश के मुठ्ठी भर लोगों को खुशी और ज्यादातर वर्गों के लिये निराशा लेकर आया है, वैसे ही गिनती के राज्यों को खुश करने वाला जबकि अधिकतर को नाखुश करने वाला साबित हुआ है। सरकार बनाने में मददगार रहे दो राज्यों–बिहार और आंध्रप्रदेश की झोलियों को जिस तरह से केन्द्र सरकार ने भरा है, उससे अनेक राज्यों का मायूस होना स्वाभाविक है। इस बजट में जिस प्रकार से सरकार ने भेदभाव बरता है उससे राज्यों में फूट पड़ने की आशंका हैय और उसका सबसे बुरा पहलू यह है कि वह देश की संघीय व्यवस्था पर गहरी चोट है। पिछले 10 वर्षों से देश पर शासन कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मुख्य सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने अनेक कृत्यों से जिस तरह भारत के संघीय ढांचे की नींव को हिलाकर रख दिया है, उसी श्रृंखला की एक कड़ी के रूप में इस बजट को देखा जाना चाहिये। इसका सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यदि बजट का इस्तेमाल कर राज्यों का राजनैतिक समर्थन जुटाने की परम्परा चल पड़ी तो केन्द्रीय राजस्व का बंटवारा अलग–अलग राज्यों की जरूरतों के आधार पर नहीं बल्कि सियासी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये किया जाने लगेगा। यह व्यवस्था वंचित रह गये राज्यों में असंतोष को जन्म देगा। उल्लेखनीय है कि आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) के 16 और बिहार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के 12 सांसदों (लोकसभा सदस्य) के बल पर मोदी सरकार टिकी हुई है। पहले से ही अंदेशा था कि अपने समर्थन के एवज में इन दोनों ही पार्टियों के नेता, क्रमशरू चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार (अपने–अपने राज्यों के मुख्यमंत्री) केंद्र की बांहें मरोड़कर कीमत वसूल करेंगे। इन दोनों नेताओं की अपने–अपने प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिये जाने की मांग रही है। मांग तो ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की भी थी लेकिन वहां अब भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बन गयी है इसलिये वह मसला कम से कम वहां तो खत्म हो गया है। इस बजट में टीडीपी और जेडीयू के प्रति केन्द्र का खास अनुराग झलका है। चंद्रबाबू नायडू ने जिस विशेष राज्य का दर्जा न मिलने के कारण 2018 में भाजपा का साथ छोड़कर नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस को टा–टा कर दिया था, इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में फिर से उसका दामन थामा था। तभी से नायडू की मांग थी कि आंध्रप्रदेश से अलग होकर तेलंगाना राज्य के बन जाने से उन्हें अपनी राजधानी बनाने की जरूरत है। इसके लिये 15000 करोड़ रुपये उन्हें दिये गये। उनका खुश होना स्वाभाविक है। दूसरी खुशी नीतीश बाबू को मिली है। चुनाव के ऐन पहले विपक्षी गठबन्धन इंडिया को छोड़कर एनडीए में 17 महीने बाद वापसी करने वाले नीतीश कुमार को भी पुरस्कार मिला है– 59 हजार करोड़ रुपए का। इसका बड़ा हिस्सा बिहार में आने वाली बाढ़ पर नियंत्रण करने सम्बन्धी उपायों पर खर्च होंगे। हालांकि इसकी हवा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव (सांसद) ने यह कहकर निकाल दी है कि जब तक नेपाल और उप्र से बिहार को जाने वाली नदियों की बाढ़ को नियंत्रित नहीं किया जाता, तब तक बिहार की नदियों की बाढ़ को नियंत्रित कर पाना असम्भव है। जिस तरह से चंद्रबाबू अब विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज की बात भूल गये हैं, वैसे ही नीतीश कुमार भी इससे इतने गदगद हैं कि वे पत्रकारों से कह रहे हैं कि, श्वे तो पहले से कह रहे थे कि उन्हें या तो विशेष राज्य का दर्जा मिले या विशेष पैकेज।केन्द्र ने यह राशि तो दे ही दी है। हालांकि वे भूल रहे हैं कि इससे बड़ी राशि का ऐलान तो मोदी राज्य की अपनी प्रचार सभाओं में करते रहे थे। बहरहाल, यह भी सच है कि यह राशि राज्य द्वारा केन्द्र की देखरेख और निर्देश पर ही खर्च करनी होगी। जो भी हो, ।

अमुवि कुलपति द्वारा छात्रावासों के निरीक्षण का सप्ताह भर का दौर संपन्न

अलीगढ,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नईमा खातून द्वारा छात्रावासों की सफाई और रखरखाव के निरीक्षण का एक सप्ताह पर आधारित कार्यक्रम आज संपन्न हो गया। एएमयू की कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद से, प्रोफेसर नईमा खातून की प्राथमिकता छात्रावासों को पूर्ण रूप से खाली कराकर छात्रों की आसानी के लिए आवासीय हालों की सफाई और रखरखाव और उनका जीर्णोद्धार रहा है ताकि छात्रों को रहने का बेहतर अनुभव हो सके। यह अभियान गर्मी की छुट्टियों के दौरान जारी रहा और कुलपति ने छात्रावासों की सफाई, रखरखाव और रहने की स्थिति से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं का आकलन करने के लिए विभिन्न हालों का 18 से 24 जुलाई 2024 तक निरीक्षण किया। इस प्रक्रिया में सुलेमान हॉल, आफताब हॉल, सर जियाउद्दीन हॉल, बीबी फातिमा हॉल, एसएन हॉल, एसएस हॉल (उत्तर), एसएस हॉल (दक्षिण), आरएम हॉल, एमएम हॉल, अब्दुल्ला हॉल, आईजी हॉल, बीएसजे हॉल, बीआर अंबेडकर हॉल, हादी हसन हॉल, बेगम अजीज–उन–निसा हॉल, वीएम हॉल, हबीब हॉल और नदीम तरीन हॉल सहित सभी आवासीय हॉल का गहन निरीक्षण किया गया। उन्होंने प्रत्येक डाइनिंग हॉल, कॉमन रूम, रीडिंग रूम और कई शौचालय क्षेत्रों के साथ–साथ छात्रों के अन्य संबंधित सामान्य उपयोग वाले स्थानों का निरीक्षण किया। प्रो. खातून ने रजिस्ट्रार, वित्त कार्यालय, प्रॉक्टर, डीएसडब्ल्यू और भवन, संरक्षण, बिजली, भूमि और उद्यान और स्वास्थ्य विभाग के मेंबर इंचार्जों सहित सभी संबंधित अधिकारियों के साथ छात्रावासों का निरीक्षण किया। पुरानी इमारतों में रिसाव और प्लास्टर उखड़ने जैसी समस्याओं को इंगित किया गया और भवन निर्माण विभाग को प्राथमिकता के रूप में उनका ध्यान रखने का निर्देश दिया गया। सर सैयद हॉल (उत्तर और दक्षिण) में स्थित ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण के लिए भवन निर्माण विभाग को विशेष प्रयास करने के लिए कहा गया। प्रो. खातून ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे आवासीय हॉल में रहने वालों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए स्थितियों में सुधार करें, खासकर डाइनिंग हॉल, शौचालय, रसोई, कॉमन रूम और पढ़ने के कमरे जैसे सामान्य उपयोग वाले स्थानों आदि पर विशेष ध्यान दिया जाये।उन्होंने कहा कि अधिकांश आवासीय हॉल में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है और यह काम अभी भी जारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल वास्तविक छात्र ही छात्रावासों में रहने की सुविधा का लाभ उठाते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में आवासीय जीवन को बेहतर बनाने के इस प्रमुख कार्य में छात्र समुदाय द्वारा दिए गए सहयोग का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए हॉल के निवासियों की सराहना की, जिसका नए शैक्षणिक सत्र में उनके रहने की स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।उन्होंने गैर–शिक्षण कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत की भी सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने खुद को छात्रों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध किया है और इसके लिए उन्होंने सभी हितधारकों से परिसर को साफ–सुथरा रखने और इसे नियमित अभ्यास के रूप में बनाए रखने की इस प्रक्रिया को जारी रखने का आग्रह किया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पति ने हेडमास्टर को पीटा

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ के विजयगढ़ थाना क्षेत्र के गांव नगला सुक्का में एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पति ने गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर के साथ

मारपीट की। आरोपी ने अपने भाई को भी साथ बुला लिया और हेडमास्टर पर हमला कर दिया। हंगामा होते देख गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने बीच बचाव करके हेड मास्टर की जान बचाई। जिसके बाद पीड़ित हेडमास्टर ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने घायल हेडमास्टर को मेडिकल परीक्षण कराया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अकराबाद ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय नगला सुक्का के इंचार्ज हेडमास्टर अविनाश कुमार ने बताया कि वह गुरुवार को स्कूल में बच्चों को पढ़ा रहे थे। तभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का पति स्कूल में आ गया और अपनी पत्नी से तेज आवाज में जोर–जोर से बात करने लगा। जिसके बाद हेडमास्टर ने उसे बुलाया और कहा कि वह स्कूल में इस तरह से बात न करे, क्योंकि इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। इसके साथ ही उन्होंने उसे स्कूल समय के दौरान वहां आने से मना किया और कहा कि अपनी पत्नी के घर आने के बाद अपनी घरेलू बातचीत किया करे। जिसके बाद आरोपी आक्रामक हो गया और गाली गलौज करने लगा। पीड़ित हेडमास्टर ने बताया कि आरोपी पहले अपशब्द बोलने लगा और फिर अपने भाई को बुलाकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। दोनों भाइयों ने कैंपस के अंदर ही उनके साथ जमकर मारपीट की। जिससे उन्हें चोटें भी आई हैं। घटना के दौरान कुछ लोगों ने मारपीट का वीडियो भी बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। विजयगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि हेडमास्टर की तहरीर मिली है। उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया है और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऋषि का सद्साहित्य छात्र-छात्राओं को नैतिक शिक्षा प्रदान करता है' : उमानंद शर्मा

लखनऊ,(संवाददाता)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''एस. आर.वी. आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल गौरव विहार, मल्हौर रोड, गोमती नगर लखनऊ'' के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 415वाँ ऋषि वांड्मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रीय कार्यकर्ता जे.बी. श्रीवास्तव एवं रेणुका श्रीवास्तव ने अपने पूर्वजों की स्मृति में के लिए भेंट किया तथा सभी छात्र–छात्राओं एवं चिकित्सकों को (हिन्दी) अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर वाड्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ''ऋषि का सद्साहित्य छात्र–छात्राओं को नैतिक शिक्षा प्रदान करता है'' श्रीमती रेणुका श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किये, संस्थान के प्राचार्य प्रो0 (डॉ.) सतीश चन्द्र तिवारी, ने धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया। इस अवसर पर उमानंद शर्मा, सर्वश्री, देवेन्द्र सिंह, विजय, रेणुका श्रीवास्तव, जे.बी. श्रीवास्तव एवं संस्थान के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सतीश चन्द्र तिवारी डॉ0 सुबोध कुमार पाण्डेय, डॉ. पूजा पाठक, विभागाध्यक्ष चिकित्सकगण एवं छात्र–छात्रायें मौजूद थे।

कुल्हाड़ी से युवक के पैर काटे,वर्चस्व की जंग में दो भाइयों पर किया जानलेवा हमला

अलीगढ,(संवाददाता)। अलीगढ़ के इगलास थाना क्षेत्र के दुमेड़ी में वर्चस्व की जंग में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के कुल्हाड़ी से दोनों पैर काट दिए। पीड़ित युवक अपने भाई के साथ जा रहा था, तभी 4–5 आरोपियों ने उसे घेर लिया और फायरिंग शुरू कर दी। गोली चलते देख पीड़ित का भाई वहां से भाग निकला। जिसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को पकड़ लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। आरोप है कि मारपीट करने के बाद हमलावरों ने कुल्हाड़ी से उसके दोनों पैरों पर हमला बोल दिया और उसके पैर काट दिया। गोली चलने और हंगामा होने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद क्षेत्रिय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई। इगलास थाना क्षेत्र के गांव दुमेड़ी निवासी मनोज उर्फ मन्ना गुरुवार को अपने भाई के साथ खेत में पानी लगाने गया था। खेत में पानी लगाने के बाद दोनों भाई बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान 4–5 आरोपियों ने उनकी बाइक रोक ली। आरोप है कि हमलावरों ने बाइक रोकने के बाद फायरिंग शुरू कर दी।

मन्ना बाइक चला रहा था और उसका भाई पीछे बैठा था। फायरिंग होते देख मन्ना का भाई मौके से जान बचाकर भाग निकला। वहीं आरोपियों ने मन्ना को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। फिर आरोपियों ने उसके पैर काट दिए और उसे मरणासन्न अवस्था में मौके पर ही छोड़कर भाग गए। पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल मनोज पर हमला करने वाले आरोपी उसके गांव दुमेड़ी के ही बताए जा रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच में वर्चस्व की जंग चल रही है और कई बार दोनों के बीच विवाद हो चुका है। जिसके चलते दोनों पक्षों ने एक दूसरे के ऊपर कई मुकदमें दर्ज करवा रखे हैं। पीड़ित पक्ष ने बताया कि आरोपी लगातार मुकदमों में समझौता करने का दबाव बना रहे थे और पिछले कई दिनों से धमकी भी दे रहे थे। जब उन लोगों ने आरोपियों की बात नहीं सुनी तो गुरुवार को आरोपियों ने मनोज के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। वहीं पुलिस घटना के बाद मामले की जांच में जुट गई है।घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी तत्काल मौके से फरार हो गए। वहीं दूसरी ओर घायल को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है, जिससे कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। घायल पक्ष की ओर से अभी पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है। सीओ इगलास डॉ कृष्ण गोपाल ने बताया कि कोतवाली में दोनों पक्षों के ऊपर कई मुकदमें दर्ज हैं। घायल को अस्पतल में भर्ती कराया गया है और घटना स्थल की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पीड़ित पक्ष से तहरीर प्राप्त की जा रही है, जिसके बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा। आरोपियों की तलाश में दबिश जारी है और जल्दी ही वह हिरासत में होंगे।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने घेरी कोतवाली, लापता लड़की की बरामदगी न होने पर जताई नाराजगी

उरई / जालौन,(संवाददाता)। जालौन में 3 जुलाई को एक समुदाय का युवक दूसरे समुदाय की लड़की को भगाकर ले गया था। इस मामले में लड़की के पिता की मौत गई थी। जिस पर हिंदू संगठनों के साथ परिजनों ने बीते सप्ताह प्रदर्शन किया था। जिस पर पुलिस ने आश्वासन दिया था कि इस मामले में कार्रवाई की जाएगी और लड़की को बरामद कर लिया जाएगा। मगर एक सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बावजूद भी अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर हिंदू संगठनों द्वारा प्रदर्शन किया गया और कोतवाली का घेराव किया गया। जिस पर पुलिस ने हिंदू संगठनों के लोगों को समझाकर शांत कराया और कार्रवाई का भरोसा दिया। मामला जालौन नगर कोतवाली का है। यहां 3 जुलाई को एक समुदाय का युवक दूसरे समुदाय की युवती को मंदिर से भगा ले गया था। जिस पर परिजनों ने युवक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था। इस घटना के बारे में लड़की के बीमार पिता को नहीं बताया था। जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी हुई थी, 6 दिन बाद लड़की के पिता की मौत हो गई थी। जिस पर परिजनों ने बीते सप्ताह कोतवाली में हिंदू संगठनों के साथ प्रदर्शन किया था। जिस पर पुलिस ने और उप जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि युवती को बरामद कर लिया जाएगा। मगर अभी तक युवती को बरामद नहीं किया जा सका। न ही आरोपी युवक की गिरफ्तारी की गई। जिसको लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने जालौन कोतवाली का घेराव किया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने हिंदू संगठनों के लोगों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी राम सिंह ने कहा कि जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है। साथ ही उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तब कहीं जाकर हिंदू संगठनों के लोग शांत हुए।

कावड़ यात्रा कि इसकी सुनवाई संवैधानिक पीठ द्वारा की जानी चाहिए

लखनऊ,(संवाददाता)। सनातन ब्रह्म फाउंडेशन, सनातन महासभा भारत तथा भारत रक्षा दल ट्रस्ट आदि विभिन्न संस्थाओं द्वारा गुरूवार को प्रेस क्लब में कांवड़ यात्री न्यायार्थ सर्वोच्च न्यायालय में पक्ष रखने हेतु सभा का आयोजन किया गया। सभा मे सनातनधर्मियों को एकजुट करने व सरकार पर दबाव बनाने के लिए कई संस्थाओं ने आह्वानकिया। खचाखच भरे हाल में कुमार अशोक पाण्डेय ने विषय रखते हुए कहा कि हमारी मांग है कि इसकी सुनवाई संवैधानिक पीठ द्वारा की जानी चाहिए तथा सर्वोच्च न्यायालय में योग्यतम वकीलों के द्वारा सरकार को पक्ष रखना चाहिए। भाजपा नेता मनीष शुक्ल ने बताया कि सरकार ने इस संबंध में कोई नया कानून नहीं बनाया है अपितु खाद्य सुरक्षा कानून 2006 तथा स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 को ठीक ढंग से लागू किया गया है, ये दोनों कानून भाजपा सरकार ने नहीं बनाये हैं। श्री देवेन्द्र शुक्ल ने कहा कि ईश्वर के बाद न्याय की आशा में लोग सर्वोच्च न्यायालय जाते हैं, अतः हमें पूर्ण विश्वास है कि छद्मवेष धारण करके सामान बेचने वाले लोगों पर कानून अपना शिकंजा अवश्य कसेगा। जिस प्रकार नकली सरकारी सेवक बनकर वसूली करने वालों से कानून सख्ती से निपटता है उसी प्रकार इन बहरूपियों के विरुद्ध भी कार्रवाई अवश्य की जाएगी! श्री सुधाकर त्रिपाठी ने मांग करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा की शुचिता और पवित्रता बनाए रखने हेतु सरकार हरसंभव प्रयास करे। श्रीमती आहुति बाजपेयी ने इस हेतु लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया और कहा कि यह जिम्मेदारी हमें स्वयं लेनी होगी। श्री निवास राय ने क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति को नष्ट–भ्रष्ट करने की कोशिश की जा रही है, हम इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

हिंदूवादी संगठनों ने एसपी ऑफिस का किया घेराव,थानाध्यक्ष समेत 3 लाइन हाजिर

बांदा,(संवाददाता)। जनपद में लव जेहाद और धर्मांतरण का विरोध करना बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को भारी पड़ गया। पुलिस ने थाने के अंदर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को जमकर पीटा था। देर रात नाराज हिंदू संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक आवास के बाहर जमकर की नारेबाजी और पुलिस अधीक्षक का पुतला फूंकने का प्रयास किया था। आवास के बाहर पुलिस के अधिकारियों ने पहुंचकर कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया था। नाराज कार्यकर्ता दोषी थानाध्यक्ष और पुलिस कर्मियों के निलंबन को लेकर अड़े रहे थे। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ने पूरे मामले की जांच कर कार्यवाही कराने का भरोसा दिलाया था। आज दोपहर में फिर एक बार हिंदू संगठनों ने एसपी ऑफिस का घेराव किया। जहां पर पुलिस अधीक्षक से काफी देर बात करने के बाद पुलिस अधीक्षक ने तिंदवारी थाना प्रभारी समेत दो कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया है और जांच के आदेश दिए हैं। मामला तिंदवारी थाने का है जहां पर नाबालिक लड़की के साथ लव जेहाद कर धर्मांतरण का मामला था। जिसको लेकर बजरंग दल व विश्वहिंदू परिषद के कार्यकर्ता थाने में पहुंचकर थानाध्यक्ष से विरोध जताया था। जिसको लेकर थानाध्यक्ष ओर कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी हो गई। इसी दौरान पुलिस ने बजरंग दल के दो कार्यकर्ताओं की जमकर पिटाई कर दी। नाराज कार्यकर्ता देर रात पुलिस अधीक्षक का पुतला फूंकने का प्रयास किया। आज फिर एक बार हिंदू संगठनों ने एसपी ऑफिस का घेराव किया। जहां पर दोनों के बीच काफी देर तक बात चली। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने तिंदवारी थानाध्यक्ष सहित 2 कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया और मेडिकल

के आवास पर पहुंचकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुलिस अधीक्षक का पुतला फूंकने का प्रयास किया। इस दौरान मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी राम सिंह ने कहा कि जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही है। साथ ही उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तब कहीं जाकर हिंदू संगठनों के लोग शांत हुए।

कस्तूरबा विद्यालय की 8 छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, मौसम खराब होने से हुई दिक्कत

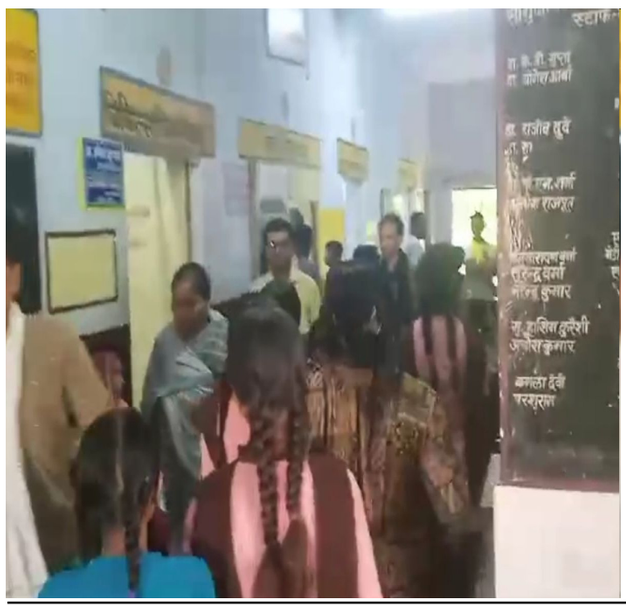

उरई / जालौन,(संवाददाता)। जालौन में उमस भरी गर्मी के कारण कस्तूरबा आवासीय विद्यालय गुढ़ा में पढ़ने वाली 8 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद स्टाफ ने तत्काल छात्राओं को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन में भर्ती कराया। जहां उनकी हालत देखते हुए डॉक्टरों ने इलाज शुरू कर दिया। ड्रिप चढ़ाने के बाद हालत में सुधार हुआ तो उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। मामला कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय गुढ़ा का है। यहां गर्मी के कारण विद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा आस्था, आरती, ईशु, फरीदी, नविष्या, डॉली, सोनिया और रुचि की हालत बिगड़ गई। बच्चियों को उल्टी होने लगी। जिसे देखकर स्कूल स्टाफ ने तत्काल सभी बच्चियों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने इलाज के बाद अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि स्कूल में लाइट न आने के कारण उमस भरी गर्मी में पंखे नहीं चल रहे थे। जिससे छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। प्रधानाचार्य गायत्री ने बताया कि की सभी बच्चियों की तबियत पानी गिरने के बाद उमस पड़ने के कारण हुई है। स्कूल में लाइट भी कम मिलती है इसलिए छात्राएं बीमार हुई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश का कहना है कि बच्चियों का इलाज करने के बाद तत्काल उन्हें छुट्टी दे दी गई। उनके स्वास्थ्य में सुधार है, किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है, मौसम खराब होने के कारण उनकी तबीयत बिगड़ी थी।

बाढ़ से बचाव के लिए मॉक ड्रिल,नाविकों और गोताखोरों ने किया अभ्यास

बांदा,(संवाददाता)। जिल में आज प्रशासन ने मॉक ड्रिल किया। ग्रामीणों को बाढ़ से निपटने और सावधानी बरतने का प्रशिक्षण भी दिया गया। बाढ़ के दौरान होने वाली मुश्किलों को कम समय में दूर करने के लिए कि बांदा की के नदी हर साल बाढ़ से होने वाले जान माल के नुकसान को देखते हुए जिला प्रशासन प्रदेश सरकार के निर्देश पर बाढ़ से निपटने के लिए साथ–साथ प्रभावित क्षेत्रों में कम जन धन की हानि हो इसके

प्रशासन में आवश्यक रिहर्सल भी किया। इस मौके पर ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि बाढ़ के दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। आपको बता दें लिए तैयारी में जुट गई है। जिला प्रशासन की तरफ से बाढ़ से निपटने के लिए आज मॉक ड्रिल का आयोजन केन नदी के तट पर किया गया। इसमें अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार, फायर सीओ मुकेश के साथ कई अधिकारी और नाविकों व गोताखोरों की पूरी टीम शामिल रही। बाढ़ से बचाव में उपयोग के लिए लाइफ सेविंग जैकेट, लाइफ ब्वॉय, मोटर बोट व नलवाड़ी के संचालन की जानकारी दी गई। मॉडल का प्रदर्शन करते हुए डूबते व्यक्ति को मोटर बोट से बचाकर उसे नदी से बाहर निकाल कर प्राथमिक उपचार लोगों के सामने किया गया। बाढ़ के दौरान विशेष सावधानी बरतने का सुझाव दिया गया, पानी यदि अधिक हो तो उसे पार करने की कोशिश ना करें, बल्कि दूसरे रास्ते से आवागमन करें। विद्युत तार यदि पानी में कहीं गिरा है, तो उस क्षेत्र से तुरंत चला जाना चाहिए। इसकी सूचना विद्युत विभाग या फिर उच्च अधिकारी को देनी चाहिए। घरों के आसपास विशेष सफाई रखें। जल भरा होने पर सांप बिछुआ अन्य जहरीले जंतु घर में घुस जाते हैं।

यूथ फार्मेसिस्ट फेडरेशन का रक्तदान शिविर 27 को लोकबंधु में'

लखनऊ,(संवाददाता)। रक्त का कोई विकल्प नहीं, प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान कर किसी न किसी की जान बचाने में अपना योगदान देना ही चाहिए, इसी उद्देश्य को लेकर फार्मासिस्ट फेडरेशन उत्तर प्रदेश का यूथ विंग 27 जुलाई को लोक बंधु चिकित्सालय कानपुर रोड के रक्त कोष में 11 बजे से एक रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है ।

यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष आदेश कृष्ण, सचिव देवेंद्र कुमार ने बताया कि यूथ फेडरेशन के संरक्षक उपेंद्र जी का जन्मदिन भी 27 अगस्त को है । फार्मासिस्ट फेडरेशन लगातार आम जनता को स्वास्थ्य सुरक्षा की जानकारियां उपलब्ध कराता रहा है तथा रक्तदान सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमो के माध्यम से जनता को जागरूक करने का प्रयास करता रहा है। फेडरेशन का यह मानना है कि यदि चिकित्सक, फार्मेसिस्ट सहित चिकित्सा जगत के सभी लोग स्वयं रक्तदान के लिए आगे आएंगे ।

अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान,आर्थिक तंगी से था परेशान

उरई / जालौन,(संवाददाता)। जालौन में संदिग्ध हालत में एक 42 वर्षीय ग्रामीण ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इस घटना को तब अंजाम दिया जब घर पर कोई नहीं था। पुत्र जैसे ही घर पर पहुंचा, उसने अपने पिता को फांसी पर झूलता देखा, उसकी चीख निकल गई। जिसको सुनकर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने युवक को फांसी पर झूलता देखा, तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही कैलिया पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। जिन्होंने जांच करने के बाद

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं आत्महत्या का कारण आर्थिक तंगी बताया जा रहा है। घटना कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव की है। बताया गया कि यहां के रहने वाले धर्मेंद्र प्रजापति (42) पुत्र हरिराम ने बुधवार दोपहर को संदिग्ध हालत में अपने घर के कमरे में रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई।प्रभारी निरीक्षक राजीव बैस का कहना है इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं पुत्र ने बताया कि पिता मजदूरी करते थे, आर्थिक तंगी की वजह से फांसी लगाई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आईटीआई अलीगंज में कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट्स की शुरुआत

लखनऊ,(संवाददाता)। केंद्र सरकार के स्किल इंडिया प्रोग्राम कौशल भारत–कुशल भारत और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत युवाओं के कौशल उन्नयन के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई अलीगंज में नए कोर्स की शुरुआत की जा रही है। प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई अलीगंज लखनऊ ने बताया कि कोर्स का नाम कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्टसष है, जिसे आईटीएस सेक्टर के तहत 7 अगस्त से संचालित किया जाएगा। इस कोर्स में पंजीकरण की अंतिम तिथि 29 जुलाई है।प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक अभ्यर्थी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानअलीगंज में आधार कार्ड, हाईस्कूल प्रमाणपत्र एवं अंकपत्र की छायाप्रति और 2 पासपोर्ट साइज फोटो के साथ किसी भी कार्य दिवस में फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं।

ब्रुक इंडिया ने ब्लाक स्तर पर किया एक दिवसीय प्रशिक्षण

(संवाददाता)

फतेहपुर। ब्रुक इंडिया द्वारा संचालित अश्वकल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड तेलियानी में समिति पदाधिकारी और सीआरपी का प्रशिक्षण किया गया। जिसमें परियोजना के अलग–अलग ब्लॉक से समिति के पदाधिकारी और सदस्य, सीआरपी आदि ने प्रतिभाग किया । कार्यक्रम की ुरुआत विकासखंड अधिकारी राहुल द्वारा की गई जिन्होंने विकासखंड स्तर पर चलने वाली विभिन्न प्रकार की योजनाएं जिसमें स्वच्छ भारत मिशन, आवास योजना, समूह केडर निर्माण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए तेलियानी ब्लाक में कार्य कर रही जीवन ज्योति अश्वकल्याण समिति द्वारा किए गए अश्वकल्याण कार्यों की सराहना की । कार्यक्रम में श्रम विभाग से अधिकारी इजहार अहमद उपस्थित रहे। उन्होंने सभी को लेबर कार्ड की योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से समझाया और लेबर कार्ड की योजना के आवेदन प्रक्रिया के बारे में समझाया। रा ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जिला मिशन मैनेजर रणजीत सिंह उपस्थित रहे। जिन्होंने एनआरएलएम द्वारा चलने वाली विभिन्न प्रकार की योजनाओं को विस्तृत पूर्वक समिति और सीआरपी को समझाया और समिति को मजबूत करने हेतु क्लस्टर स्तर और ब्लॉक स्तर पर विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करके अलग–अलग प्रोजेक्ट को काम करने के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में एडीओ एग्रीकल्चर दिनेश उपस्थित रहे। जिन्होंने कृ ा विभाग और होर्टीकल्चर विभाग की योजनाएं जो समूह और समिति के लिए चलाई जा रही है उनकी विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण स्तर पर विकासखंड से समूह के लिए बहुत सारी योजनाएं क्रियान्वयन हो रही है । जिसमे समिति और समूह लाभ ले सकते है। मेनेजर शिवम साहू ने ब्रूक इंडिया के उद्देश्यों, अश्वकल्याण संबंधी मुद्दों पर समझाया गया। इस कार्यक्रम में बृजेश कुमार ,उ ा अवस्थी, मानसिंह फतेहपुर तथा समिति से पदाधिकारी और सीआरपी रीता, सुनैना, पिंकी, पु पा, कमला सुनैना, मोहम्मद रफी, मोहम्मद अनीस, विनोद, संतो ा, राजाराम, नीतू आदि उपस्थित रहे.।

भाकियू टिकैत गुट के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह का इस्तीफा

(संवाददाता)

फतेहपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी आईडी से एक पोस्ट डाली कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं और देखते ही देखते यह खबर सुर्खियां बन गई। वहीं जब उनसे बात की गई तो उन्होंने कहा कि जिस संगठन में रहकर उसे सींचा और एक लंबा कारवां बनाया वहां पर जब मान सम्मान ना मिले तो ऐसे संगठन में रहने से क्या फायदा। हालांकि सूत्रों की माने तो उस सोशल मीडिया आईडी में तमाम प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह के समर्थकों ने भी उनके साथ इस्तीफा देने की बात कही। उन्होंने कहा जिस संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह का सम्मान नहीं ऐसे संगठन में रहने का कोई फायदा नहीं। तमाम खागा,बहुआ, फतेहपुर, हथगाम, बिंदकी के कार्यकर्ताओं ने राजेंद्र सिंह के साथ संगठन छोड़ने की बात कही। इस दौरान सूत्र बताते हैं की प्रदेश हाई कमान ने सीधे राजेंद्र सिंह से वार्ता किया है और कहा कि उन्हें संगठन छोड़ने की कोई जरूरत नहीं है जो लोग उनके मान सम्मान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं ऐसे लोगों को पहले समझाया जाएगा और फिर भी अगर प्रदेश स्तर के पदाधिकारी के साथ बदसलूकी करते हैं तो उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। फिलहाल प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह के द्वारा सोशल मीडिया पर डाली गई पोस्ट के बाद सुर्खियों का बाजार गर्म है।

महिला ने यमुना ओवरब्रिज से लगाई छलांग

(संवाददाता)

विजयीपुर, फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत किशनपुर कस्बे में पति से झगड़ा करने के बाद पत्नी ने गुस्से में घर से निकली और यमुना नदी पर बने पुल से नदी में छलांग लगा दिया। आस–पास मौजूद मछुआरों ने महिला को नदी में कूदते देखकर नदी से महिला को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिवार के मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं डॉक्टर इलाज में जुटे हुए है। जिले के किशनपुर थाना क्षेत्र के कस्बे के रहने वाले अखिलेश कुमार निर्मल की 28 व ीय पत्नी मालती देवी किसी बात को लेकर पति से झगड़ा हो गया। दोपहर में करीब दो बजे के आस–पास पति से झगड़ा करने के बाद मालती देवी घर से एक किलोमीटर दूर यमुना नदी पुल के ऊपर पहुंची और नदी में छलांग लगा दिया। महिला को नदी में छलांग लगाते देखकर आस पास मौजूद मछुआरों ने नदी में कूदकर किसी तरह महिला को बाहर निकाला। महिला के नदी में कूदने की जानकारी पर आस ग्रामीणों की भीड़ लग गई। महिला

के नदी में कूदने की जानकारी पर मौके पर पुलिस पहुंची और परिवार के लोगों को सूचना दिया। महिला को गंभीर हालत में पुलिस गाड़ी से लेकर परिजनों ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं थाना प्रभारी हेमंत कुमार मिश्रा ने बताया कि पति पत्नी में विवाद होने के बाद महिला ने नदी में कूदकर जान देने का प्रयास किया है। मछुआरों ने महिला को बचा लिया है जिसका इलाज चल रहा है। आपको बता दें कि जब से यह पुल बना है आये दिन कोई न कोई जान देने के लिए नदी में छलांग लगा देता है। जिस कारण दादो पुल सुर्खियों में बना हुआ है।

विद्यालय पर लगाया बच्चे को प्रताड़ित करने का आरोप

(संवाददाता)

फतेहपुर। हर के राधा नगर की रहने वाली प्रीति सिंह पत्नी बृजेश सिंह ने जिलाधिकारी के नाम दिए गए शिकायती पत्र में कहा कि उनका पुत्र अंश सिंह 4 व र्ष पूर्व कक्षा एक से अंदौली रोड स्थित सागर कन्वेंट सेकेन्डरी स्कूल में पढ़ता है। उन्होंने आरोप लगाया की विद्यालय में प्रतिव र्ष एडमिशन फीस ली जाती है। तथा मनमाने ढंग से कापी किताबें व पढ़ाई से संबंधित सामग्री व यूनिफॉर्म को खरीदने के लिए विद्यालय प्रबंधक विद्यालय के बगल वाली दुकान से खरीदने के लिए दबाव बनाते हैं। पीडिता ने आरोप लगाया कि वह अपने बच्चों की फीस निरंतर जमा करती हैं, इसके बावजूद भी 24 जुलाई को प्रार्थिनी के पुत्र अंश सिंह को बच्चों के सामने बेइज्जत करके भगा दिया और कहा कि अब विद्यालय नहीं आना। विद्यालय प्रबंधन जबरदस्ती बच्चों को प्रताड़ित करता है तथा मनमाने ढंग से धन की उगाही करता है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 23 जुलाई को जब वह अपने पुत्र अंश सिंह की फीस के संबंध में रसीद मांगा तो रसीद भी उन्हें नहीं दी गई। इस दौरान प्रार्थिनी ने उपरोक्त प्रकरण में जांच करवा कर प्रतिव र्ष लिए जाने वाले प्रवेश ुल्क व अधिक वसूली की गई फीस वापस कराकर प्रार्थिनी के पुत्र अंश सिंह को विद्यालय में पढ़ने हेतु आदेशित करने की मांग किया और विद्यालय के प्रबंधक व प्रधानाचार्य के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की भी मांग किया।इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में सुनैना विश्वकर्मा, कीर्ति दीक्षित, विमल तिवारी, बृजेश सिंह, रविंद्र, ैलेंद्र, अनुराग सहित तमाम लोग मौजूद रहे। वही विद्यालय के प्रबंधक अशोक मौर्य ने बताया की पिछले एक व र्ष की पूरी फीस बकाया है बार–बार फीस मांगने के बावजूद नहीं दी जा रही थी। इस बाबत अभिभावक को बुलाकर फीस जमा करने की बात कही गई। बच्चे से कोई भी बात नहीं हुई है। बच्चे के सामने बेइज्जत करने का जो आरोप लगाया जा रहा है वह पूर्णतया बेबुनियाद है।

सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत

(संवाददाता)

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के गौरइया माता मंदिर के सामने एनएच–2 में ट्रक की टक्कर से 60 व ीय बाइक सवार महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थरियांव थाना क्षेत्र के औरेई गांव निवासी प्रकाश नारायण की पत्नी सविता देवी अपने रिश्तेदार के साथ बाइक से खागा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गौरइया माता मंदिर दर्शन के लिए गई थी। बताते हैं कि वापस लौटते समय जैसे ही वह बाइक से चलने लगी तभी तेज रफ्तार आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ाव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गह भेज दिया।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

(संवाददाता)

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के ग्राम ओती में मानसिक तनाव के चलते 40 व ीय युवक ने घर के अंदर फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार ओती गांव निवासी राम आसरे का पुत्र अशोक सिंह ने मंगलवार की देर ाम मानसिक तनाव के चलते घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ाव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। घटना के बाद से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

मशीन में उतर रहे करंट की चपेट में आया अधेड़

(संवाददाता)

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हरदों में बुधवार की सुबह चारा कतरने वाली मशीन में उतर रहे करंट की चपेट में आ जाने से 50 व ीय अधेड़ झुलस गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार हरदों निवासी देशराज का पुत्र फूल सिंह आज सुबह चारा काटने के लिए जैसे ही उसने मशीन को छुआ तभी उसमें उतर रहे करंट की चपेट में आकर झुलस गया। जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे परिजन तत्काल सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए पहले हरदों ले गए बाद में उपचार के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

सर्पदंश से युवक की बिगड़ी हालत

(संवाददाता)

फतेहपुर। अलग–अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत खेत में काम करते समय जहां एक युवक को सर्प ने डस लिया वहीं दूसरे को जहरीले कीड़े ने काट लिया। जिन्हें उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार हथगाम थाना क्षेत्र के मोहलिया का पुरवा गांव निवासी संतलाल का पुत्र रंजीत सिंह बुधवार की दोपहर खेत में काम कर रहा था। तभी जहरीले सर्प ने उसे डस लिया। इसी प्रकार गाजीपुर थाना क्षेत्र के अयाह गांव निवासी रामपाल का 35 व ीय पुत्र मोतीलाल खेत में मेड़ बांध रहा था तभी उसे जहरीले कीड़े ने काट लिया। दोनों के परिजनों ने उन्हें सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

अधेड़ ने जहर खाकर जान देने का किया प्रयास

(संवाददाता)

फतेहपुर। एक सप्ताह से घर से निकले 50 व ीय अधेड़ ने बुधवार की दोपहर खागा में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिसे हरदों अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकीय उपचार के बाद हालत बिगड़ने पर सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार हर क्षेत्र के सिविल लाइन निवासी छोटेलाल का पुत्र अजय कुमार खागा में प्राइवेट बस चलाता है। बताते हैं कि कुछ दिनों से वह मानसिक तनाव में था और एक सप्ताह में घर में न रहकर खागा में ही रहता था। आज दोपहर उसने जहर खाकर जान देने का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर आस–पास के लोगों ने उसे तत्काल हरदों सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकीय उपचार के बाद हालत ठीक न होने पर उसे सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

दबंगो ने दलित महिला व बेटे को पीटा, एसपी से शिकायत

(संवाददाता)

औंग, फतेहपुर। थाना बकेवर क्षेत्र में एक दलित महिला के साथ दबंगों ने मारपीट की बीच बचाव में आए महिला के बेटे को दबंगों ने जमकर पीटा जानकारी के अनुसार बकेवर थाना क्षेत्र के मुसाफा चौकी के डारी बुजुर्ग गांव की रजनी पति शिव कुमार ने पुलिस अधीक्षक फतेहपुर उदय ांकर सिंह से शिकायत पत्र देते हुए गांव के प्रीतम सिंह व उसके एक साथी के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि ौंच करने के लिए गांव के बाहर खेत में गई थी जहां दबंगों ने छेड़खानी की ोर मचाने पर सूचना मिलते ही पीड़ित महिला के बेटे मौके पर पहुंचे तो मारपीट होने लगी दबंगों ने पीड़ित महिला के बेटे को जमकर पीटा घटना को लेकर पीड़ित महिला व परिवार जनों ने दबंगों के घर परिजनों से शिकायत करने पहुंची तो उक्त लोगों ने जान से मारने की धमकी दी और वीडियो बनाना ुरू किया जो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है पीड़ित महिला ने बकेवर थाना के मुसाफा चौकी पुलिस पर आरोप लगाया कहा कि मुसाफा चौकी पुलिस दबंगों से हाथ मिलाकर मामले को दबाने का प्रयास कर रही है और पीड़ित परिवार से समझौते का दबाव बना रहे हैं तीन दिनों से थाने के चक्कर लगा रही पीड़ित महिला को अभी तक न्याय नहीं मिला उत्तर प्रदेश सरकार का नारी सुरक्षा के निर्देशों को तार–तार किया गया है पुलिस थाना चौकी में दर–दर भटकने के बाद पीड़ित महिला व पति फतेहपुर जनपद के पुलिस अधीक्षक उदय ांकर सिंह के पास शिकायत पत्र देते हुए घटना को बयां किया और पूरी जानकारी दिया पीड़ित महिला व पति ने पुलिस अधीक्षक के चौखट पर न्याय की गुहार लगाई है बकेवर थाना प्रभारी कांति सिंह ने बताया कि मामले की पुलिस जांच पड़ताल कर रही है उक्त घटना के मामले में जांच के बाद जो भी दो ी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी हालांकि पुलिस अधीक्षक फतेहपुर ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है।

व्याप्त भ्रष्टाचार के निवारण के लिए कार्यवाही की मांग

(संवाददाता)

फतेहपुर। व्यवस्था परिवर्तन अधिवक्ता संगठन के अध्यक्ष श्रीराम पटेल एडवोकेट व महासचिव सैयद आसिफ मकसूद एडवोकेट के नेत त्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन प्रे ित किया गया। जिसमें इन लोगों ने मांग किया की उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की व्यवस्था के अनुसार किसानों की म त्यु के पश्चात ऑनलाइन आवेदन करने पर वरासत किए जाने का प्रावधान है तथा किसानों की भूमि की वर्तमान में रियल टाइम खतौनी जो बन रही है उसमें प्रत्येक किसान का अंशनिर्धारण किया जा रहा है एवं कृ ि भूमि का विक्रय पत्र के नि पादन के पश्चात नियत समय अवधि में नामांतरण आदेश पारित करने की व्यवस्था विधि अनुसार है लेकिन जनपद फतेहपुर में तीनों तहसीलों के जिम्मेदार भ्र टाचार के शिकार हैं कोई भी कार्य बिना उगाही के नहीं हो पाती है जबकि नियमानुसार नियत समय के अंतर्गत कार्य हो जाना चाहिए। उक्त समस्याओं के समाधान के लिए इन लोगों ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि फतेहपुर की तीनों तहसीलों में व्याप्त भ्र टाचार के निवारण के लिए जल्द से जल्द उचित समाधान करवा कर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वालों में प्रयाग नारायण,राकेश यादव, विनोद यादव,बौद्ध प्रिय गौतम,दीप्ति उत्तम, रंजीत कुमार मौर्य, माया गौतम, राज किशोर विश्वकर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जनता दर्शन में डीएम ने सुनी शिकायतें

(संवाददाता)

फतेहपुर। जिलाधिकारी सी. इंदुमती ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन में दूर दराज क्षेत्र से आए हुए शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना और आश्वस्त किया कि गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ नियमानुसार शिकायतो का निस्तारण किया जायेगा। जनता दर्शन के दौरान कुल 45 शिकायतकर्ताओं से प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को प्रार्थना–पत्र में निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों को पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण, संतु टपरक ढंग से समय सीमा के अंतर्गत निस्तारण किया जाय।

शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन का काला दिवस आज

(संवाददाता)

फतेहपुर। आदर्श शिक्षक शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा कल काला दिवस मनाएगा अपनी बाहों में काली पट्टी बांध कर विरोध दर्ज करेंगे। जिलाध्यक्ष विजय सिंह गौर ने बताया कि 25 जुलाई 2017 उत्तर प्रदेश के लगभग 1लाख 69000हजार शिक्षा मित्रों के लिए वह मनहूस दिन आया जो शिक्षा मित्रों के जीवन का काल बनकर आया। सुप्रीम कोर्ट से एक ऐसा आदेश हुआ जिससे शिक्षा मित्रों की फलती फूलती बगिया को उजाड़कर रख दिया। उस आदेश से लगभग 10000हजार मौते असमय औसद, आत्महत्या, सदमे में जान चली गई। लेकिन इन सात सालों में सरकार ने एक भी मौत पर न तो इनका कोई प्रतिनिधि और न ही सरकार ने कोई ोक संवेदना तक व्यक्त नहीं किया। और न ही इतनी मंहगाई में एक रुपया मानदेय बढ़ाया। इतनी निर्दय सरकार कभी नहीं देखा। हमारे जिन शिक्षा मित्र परिवार के लोग इस आदेश से आहत होकर ाहीद हुए हैं उन ाहीदों की याद में पूरे जनपद का शिक्षा मित्र कल अपने अपने विद्यालय में काली पट्टी बांध कर काला दिवस मनाएंगे साथ 2मिनट का मौन रखकर उन ाहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

गंगा समग्र वृक्षारोपण अभियान पहुंचा सीपीएस बिंदकी - छात्रों व गंगा समग्र के कार्यकर्ताओं ने रोपे धरती के गहने

(संवाददाता)

फतेहपुर। गंगा समग्र कानपुर प्रांत की फतेहपुर इकाई द्वारा व क्षारोपण अभियान के अन्तर्गत चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल बिंदकी में व क्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य सहभागिता रही प्रभागीय निदेशक वानिकी रामानुज त्रिपाठी एवं सीओ बिन्दकी वीर सिंह की। जामुन, नींबू, आंवला, आम, रीफा, कटहल आदि के फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में छात्रों को व क्षारोपण की महत्ता बताते हुए मुख्य अतिथि वीर सिंह ने कहा कि सभी व क्ष हमारे जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, किन्तु हमें बहुउपयोगी व क्षों पर अधिक फोकस करना चाहिए। ऐसे व क्ष हमें ऑक्सीजन, फल, फूल, छाया, खाद देने के साथ–साथ बादलों को भी आकर्ि त करते हैं। इसीलिए इनका संरक्षण हम सबका दायित्व है। व क्षारोपण कार्य में कालेज के प्रधानाचार्य नितिन तिवारी, समस्त स्टाफ तथा छात्र– छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। साथ ही उन्हें रोपित व क्षों को गोद लेकर उनकी सेवा–सुरक्षा एवं जल संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की उपप्रधानाचार्या नीता मिश्रा ने किया। गंगा समग्र के बेतवा बुन्देलखण्ड भाग के प्रमुख कुलदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि गंगा समग्र ने हरित फतेहपुर के लिए जनपद के अधिकाधिक विद्यालयों में व क्षारोपण का लक्ष्य रखा है। पिछले व र्ष भी गंगा समग्र द्वारा विभिन्न स्कूल–कालेज एवं गांवों में व क्षारोपण किया गया था। उनमें से करीब 50: पौधे जीवित है। कार्यक्रम के अंत गंगा समग्र के संरक्षक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेवा भारती के प्रांत प्रमुख राकेश श्रीवास्तव, गंगा समग्र के जिला संयोजक धीरज राठौर ,कविता रस्तोगी, सुयश गौतम वंदना द्विवेदी, कल्पना सिंह, रीता सिंह तोमर, साधना चौरसिया, सुनीता गुप्ता भारती सिंह, कपिल कुमार दुबे, दिनेश श्रीवास्तव, देवनारायण मिश्रा आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग ने चलाया अभियान

(संवाददाता)

फतेहपुर। कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन ाहनवाज़ आलम के आहवान पर खाने पीने की दुकानों, आवागमन के छोटे साधन, ई रिक्शा, फलों के ठेलों आदि मे संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित विचारों को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्टीकर बनवाकर दुकानों में लगाने का कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह चौहान के मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष मिस्बाह उल हक़, नफीस खान के साथ होटल में स्टीकर चिपकाने की ुरुआत की। अपने संबोधन मे बीरेंद्र चौहान ने कहा कि संविधान सभी नागरिकों को अपने स्वेच्छा से खान पान, भा ा, पहनावा

रीति रिवाज अपनाने का अधिकार देता है जो प्रत्येक नागरिक समाज अपने प्रेम सद्भाव से दूसरों के सदभावना दूत के रूप में खड़ा है , इसे किसी धर्म या जाति विशे ा के विरूद्ध जाकर खड़ा करने के लिए थोपा नहीं जा सकता यह संविधान विरूद्ध है। इसी वि ाय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष मिस्बाह उल हक़ ने कहा कि आज प्रदेश अध्यक्ष के आह्वाहन पर पूरे प्रदेश में अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी फल के ठेलों , चाय की दुकानों, ट्रैफिक के बीच , ढाबों मे संविधान प्रस्तावना की कापी पेस्ट करने का काम कर रही है, जिला सचिव नफीस खां ने कहा कि फतेहपुर मे एक सैकड़ा से अधिक ऐसे ही दुकानों , ठेलों, पर स्टीकर लगाने का काम जहानाबाद, बिंदकी, फतेहपुर, आदि कस्बों में किया गया जिसमें वरि ठ कांग्रेस नेता संतो ा कुमारी ुक्ला, ाहर जिला ओबीसी कांग्रेस, के संदीप साहू, सुरेन्द्र प्रजापति, आरिफ मोहम्मद सहित अन्य लोग रहे।

संदेश घोष

हिन्दी दैनिक

स्वामी ,प्रकाशक, मुद्रक संजय कुमार द्वारा हर्षित प्रिंटर्स हर्षित काम्प्लेक्स पटेल नगर, चौराहा फतेहपुर उत्तर प्रदेश पिन कोड–212601 से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

सुनील कुमार श्रीवास्तव

मो.9415032748